



अथ ह्यो॥ ३॥ ०॥ १॥ १॥ १॥ १॥

[illegible]

विष्णु विश्ववर्ति

सिद्धार्थस्य निमित्तं

[illegible]

यादूकां॥सूक्तवनाययादूकां॥ॐ श्रीगणनाययादूकां॥मंत्रनकायया
दूकां॥ॐ वक्राणयादूकां॥धर्मनवलि॥ॐ इंद्रायायादूकां॥ॐ इंद्रा
विंदायायादूकां॥ॐ इंद्राभिरायायादूकां॥ॐ इंद्राभिरायाया
दूकां॥ॐ इंद्राभिरायायादूकां॥ॐ इंद्राभिरायायादूकां॥ॐ इंद्राभिरा
दूकां॥ॐ इंद्राभिरायायादूकां॥ॐ इंद्राभिरायायादूकां॥ॐ इंद्राभिरा
दि॥८॥६॥दंसासनाययादूकां॥दंसासनाययादूकां॥मयूनासना
यादूकां॥गयूनासनाययादूकां॥महिषासनाययादूकां॥गजास

[illegible]

डों लोला किनी याद का ॥ डों को का किनी याद का ॥ डों सो सा किनी या
द का ॥ डों दो दा किनी याद का ॥ धन न वलि ॥ ॐ गि बटु शा किनी ॥
डा ॥ डों धु धु गि वि यी भय याद का ॥ डों धी काम नय यी भय य
द का ॥ डों धी आ ल व न यी भय याद का ॥ डों धी डा ठि या न यी भय
याद का ॥ ॐ गि य डु यी ० यू आ ॥ ४ ॥ धन न वलि ॥ डों धी आ व न क य
याद का ॥ डों धी अन का सना य याद का ॥ डों धी कं ठ सना य याद का ॥ डों
धो ना न सना य याद का ॥ डों धी य ग सना य याद का ॥ डों धी कं ठ ना सना

य याद का ॥ डों धी कं ठि का सना य याद का ॥ डों धी य द्रा सना य याद का ॥
डों धी म दि वा सना य याद का ॥ डों धी सिं हा सना य याद का ॥ डों धी स रू स
ना य याद का ॥ डों धी नि स रू सना य याद का ॥ ध्यान ॥ डों धी ग क या मी क
व व लु नाना य ध्या य सा रि ता ॥ दि व व रु य बी धा ना म दि वा स न ग ॥
मिनी ॥ कि नी टि कृ णु ला का रे क य रे म नि नू य रे श व त्र मा ला वि वि वे श
दा ठ मा ला स सा रि ता ॥ अ स्का द ग रु आ का का यी न व रु रु ना व दा ॥ स
वो लं का व रं का ग ठि लो ठि स म य रा ॥ ख ड्गं ग वं ग था व रं व दा कू ण

ववाधुसाववदंदमवदसुशुशुलयागुससादिगं॥दन्दि(ननकना
 नगा,यथासासातथायनं॥रुठकंवनदसायगदाद्यष्टससागा॥या
 णगर्जनीरुसायस्वदाङ्कगयागकं॥विन्दुमद्रातथासिद्धि,सिद्धा
 सनायवित्तिगा॥अवलिखागिबध्नुन्नंमदिवंशमदासर्वं॥गदावा
 त्तिर्गतादेत्य४मदावल्लयनाक॥रुदयन्निगिष्टूलन,विवृतासागिवात्र
 सावनवं॥वामदादेवी,सर्वकामरुल्लयदा॥रगमायाठगदसाय,स्व
 दाङ्कठमवविना॥वदवधुयवधुव,वधुयावधुनायिका॥वधु

वधुवर्गावेव वधुद्वयातिवधुका ॥ नायनाग्रवल्गुका नीलाशु
 क्तायधूमिका ॥ यीतावयाधुनाहया आलीवल्गुदन्तिका ॥ स्वयन्नि
 वात्रसमायुक्ता मायातल्लदमधुल ॥ ॐ तिष्ठानवय्यनमः ॥ ॐ
 वाजयुद्धं दुष्टवधुवल्गुमदनीदं सदावद २ त्वामांशं स ४ मृत्कृद
 वयादका ॥ गिर्याङ्गलि ३ ॥ मङ्गलग्नसंयुक्त ॥ वलि ॥ ॐ श्री नमो श्री
 वधुवाग्राये नमो श्रीदोयादका ॥ वलि ॥ ॐ श्री द्या ॥ जानन्दगकि ४ रु
 ववानदीवाधियनय ॥ ॐ श्री द्या ॥ ॐ श्री द्या ॥

आनन्द लालि ४ श्री महाविद्या बाऊ ध्वनी ड्रुमी यादकां ॥ बलि ॥ उँ ड्री
जय वक्रा थधवकी धाव धावन नव दूरे त मी वर्ग सर्व सर्व क ई स ड
बृद्ध वक्र ४ यादकां ॥ उँ ड्री नै वक्र क वि नी धु गे ला का क र्ण जी र
द्रा कामास दावली ड्री श्री महाशारु का वि पी नि सो स ४ श्री यादकां ॥ ध
नर्न बलि ४ ॥ उँ ड्री नमो रु ग व नी ड्रु क वि का ये डां ड्री दू धा व नू धा वा
मुखी ह्रीं ह्रीं कि नि २ विक्र यादकां ॥ उँ ड्री नमो रु ग व नि यु क वि का
ये यें ड्री क वि यु ४ अनलमा जधा वा मुखी ह्रीं ह्रीं कि नि २ वि चं

[illegible]

॥ गं गौ गूं गं ॥ १ ॥ श्री कल गणेश्वराय वलि गृह २ स्वाहा ॥ कं कं
 नदी वसम गाना विषम यवलि गृह २ स्वाहा ॥ २ ॥ श्री सिद्धि वामुणी
 ध्वनी वलि गृह २ स्वाहा ॥ आ का प्रा वसव (प्रेता) ३ वलि गृह २ स्वा
 दा ना सर्वे सा ३ न सा सर्व सा यि सा व सा सर्व सा ०० धू द व न सा ००
 मां धू जां वलि गृह २ स्वाहा ॥ आ वा रु ना दि, यानि मू डां प्र द न यं
 नानम ४ श्री नाथाय सादि ४ ॥ धू द ४ ॥ दी य ४ ॥ नै य य ४ ॥ ऊ य ४ ॥ डां ३
 स्वाहा १० ॥ श्री कां स्वाहा १० ॥ १ ॥ स्वाहा १० ॥ ३ ॥ स्वाहा ३ ॥ ४ ॥ धू स्वा

हा ३ ॥ ४ ॥ सा यः ॥ या द वी म ४ के ट रु य म थ नी, या व लु म लु स नी
 या मा या मा दि वा सू व, द य क वी, या व क वी जा प्र या, या सा सू म नि
 लु मू द य द ल नी, या द व द वा णि या, सा द वी म म व क द दि ल रु
 ऊ व लु उ य व द रु ॥ अ रु ग न्धा दि ४ ॥ न य र्ण ल ॥ नु का न क ॥ द वी
 आ गी द्वा द वा अ म्बे धू व वा आ त्म आ णी द्वा द वा व नि वि स र्ज न ४ ॥
 ०० कि उ प्र व लु द वी धू जा वि ४ समा प्त ४ ॥  ॥

ASHA ARCHIVES

3532

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Ma

रायकुञ्जकयवाक्य लघुमिन्द्रावयव्यानेन विदग्धसुवचणारुमव्य
 दुष्टुदिवानेनभउदयस्येयिवामन् कुञ्जवास्तसमागतः ॥ सिद्धवास्त
 मयानाथगण्डकसूक्तकुञ्जया ॥ २ ॥ गण्डकयायल्लघुवास्तुक्त
 दिहागण्डा ॥ ३ ॥ स्यायसुक्तडावः सद्यस्तद्विधुतायिव ॥ ३ ॥ स्यामद
 काकाणवद्वल्लघुवाययसंगित। जागाद्वाकादण्डा ॥ स्यामवदिव ॥
 सिद्धा ॥ कुञ्ज ॥ ४ ॥ वदुयदगुर्ताना ॥ लघुवास्तसमच्चितः ॥ द्विद्व
 नस्तद्वल्लघुवास्तसमच्चितः ॥ १ ॥ द्वागास्तद्वल्लघुवास्तसमच्चितः
 वथवा कुञ्जवास्तसमच्चितः ॥ २ ॥ द्वागास्तद्वल्लघुवास्तसमच्चितः
 लल्लिलकिर्तनवागण्डकवविष्णुसमागर्तसदावकाकनडागा

धवागशीयभलङ्कारं युवदन्ति निश्चयादृश ॥ १ ॥ युवकृदगर्भव
 नुनयुक्कवाभ्यानाभिगातदृकात्तातदं (गंवा) नयनं जायते कुसा ॥ ८ ॥
 कुनकृगतावसाहनीसूयाद्यननवाभ्यानाभ्यासितो बहुसुयिगाविदम
 गश्चवानाभिवसादधमयधि ॥ २ ॥ यूप्युगानिनिस्त्रवाभिगासोभालगुग
 नगुरुसुखेलगुगलङ्कारं गोविवावन्दुधातगतादृसूयतं नाव ॥ अथाद
 यमायगः ॥ १ ॥ गिर्संयुक्तं समवर्कं धवा ॥ भवूनलवभूलगुगः ॥ स्यात्सूतिः
 सलिलनसंशयः ॥ १ ॥ उदयाउदयावयसिन्धुगुग्नीयावनिनाकिर्तयम
 अलिकर्कियुगविलगुगसोभगातकञ्जिगीवः ॥ १२ ॥ मन्त्रवुगर्गवि
 लगुगतावधसूयनृधिनिनिचिर्कितकुमातावागर्गवन्सूनालयसोखल

रुद्राष्टकथादिः ॥ १३ ॥ नृलगादृष्टा क्रिदिउ ४४॥ १४॥ नमनत्रमागरे
गुनवशिरुविनविनननुमन ॥ १५ ॥ कुलव शिलालय ४४॥ १६ ॥ सर्वकनागि
१७ ॥ नागांशसमान ॥ १८ ॥ वत्रमागरेनवत्रसि वगृह नसुक्रांशया ४४
मन्दिनवलयागाकलमसककया ४॥ १९ ॥ ज्ञानावर्कयासि काण ॥ २० ॥ वत्र
विसृजनेश्मया ॥ २१ ॥ वूमव वाडमनिष्ठादीर्घाय ४४॥ २२ ॥ सखवाधस ४४॥
१३ ॥ यावक्रिगदुहिनगूदय कडसुकाविनधयिकठा कडयास
धायसोमयियधगधविधरुसमतिमीमनत्रययनरुसुगगाधनाय
॥ २४ ॥ यिष्टमागृह वूमद्वलाकन ॥ २५ ॥ लादिधनावृण ४४॥ २६ ॥ यदिने क
गनेसुवाकिनेल ॥ २७ ॥ विडनयसूयत ॥ २८ ॥ मन्दक्रांश ४४॥ २९ ॥ निदिवकमन्द

दृष्ट ४४॥ वाकदुकवागुमसिधयननावसंशे ४४॥ ३० ॥ यदृडासिर्वुजगिह
विडनयुमाकसुगद्वत्यायधनुसामयखग ४४॥ ३१ ॥ मादुडनन्या ४॥ ३२ ॥
सुह ४४॥ काददयावलिदीया ४४॥ ३३ ॥ युक्कवसाधनाद ४४॥ ३४ ॥ वत्रवा
निकनुसंय ४४॥ ३५ ॥ यगुदेवायसमचिगादो ॥ ३६ ॥ जालससुतुमकडुक्रिदि
सुतदधुनव ४४॥ ३७ ॥ काष्ठा ४४॥ ३८ ॥ निदृष्ट ४४॥ ३९ ॥ वत्रवा ४४॥ ४० ॥ निदि
वत्रवमवित्रयुर्ननववह ४४॥ ४१ ॥ ४२ ॥ मन्दिनवकुसुय ४४॥ ४३ ॥ थायद
४४॥ ४४ ॥ सामनेयुवावद ४४॥ ४५ ॥ ४६ ॥ मयकुलीवदुलाल ४४॥ ४७ ॥ वागु
रुनकागुनयोमगृहव्यधिमनधवृषलनिवासादक्रिणका
कयोमगासिहो ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ यावादिगृहक्रियादयादोदोकाणगका

[illegible][illegible]

वे लाखयादि १ श्रुयानस्य २ ध्ययलिकुमनर्तनं वा ३ धु
कृतं (धस विष्णुगुल ३० या यथ कान् कथ सराग १३ २३ १ ल
दिनं दधर्तसया ययाया ॥ ७ ॥ वस सादस काकन रागले १० ८ ल
विश्रुविमासनामकासां न (७) वतयंत ध्रुविमासन धं धर्तय
नं न नायं मूलावमासगण (धस विष्णुगुल ३० गृतिथिमास ३० ति
थि वृकनर्तनं ध्रुका ४ कथ सवृद्धगुल ३० यथ कान् (धराग ११) १० ३
धनरागकाया लदिनं दधर्तसया ययाया (धराग १० ३ ल दिव्रव

मनातनामकासां न (७) वतयंत ध्रुवमवातुल धं धर्तयया य
याया ॥ ७ ॥ वद ध्रु ॥ वृहर्गल धासां न ॥ ध्रुवर्गल यय सन राग
१० ७ ॥ वलं कालाख ७ कवाल वादिन दिव्य द्वावाल द्वा लं डाल
वृहर्गलया लिवन धासां न ॥ वृहर्गल धासां न ॥ ० ॥ वृविमास
गुल ३० वृवमवातुल या य ॥ कलाय सगुल १ श्रुयधनं गुल ३०
वृवमवातुल यासां न या ॥ ७ ॥ वन कलाय सगुल या कल लय
नन वृहर्गल धा ३ ६ ६ यव वृहर्गल साधन विधि ॥ ॥ सन

मधुलाश्रावणमूलसमुल ८०० गुण याकाव (थसराग २७ २२०
धनरागका (अ) बलीकालाख सुन्यमधुलाश्रावणनामनास्यक
सुयमधुलासवालरु १२ (थसराग २७ २२० लद्विनासि (अ) बस
तिं मधुल ३० राग २७ २२० लद्विर्न (अ) बया (अ) बससमिधुल
८० राग २७ २२० लद्विद्यति (अ) बयसमुल ८० राग २७ २
२० लद्वि विकला (अ) बससम ८० गुण राग २७ २२० लद्विद्य
ल (अ) बया वाणिर्न (अ) बद्यति विद्यति (अ) बयाल सुन्यरु धागत सिद्धि ॥ थड

थागसदृशकललयायद्यति विद्यति (अ) बयाल धननयास्य सु
वर्ममधुमसिद्धि ॥ ० ॥ वदुमधुलाश्रावणमूलसमुल ८०० राग १८
३७ ३ धनरागकाया (अ) बलीकालाख वन्दुमधुलाश्रावण ॥ ॥
धवन्दुमधुलासवालरु गुण १२ राग १८ ३७ ३ लद्विनासि (अ) बय
(अ) बससतिं मधुल ३० राग १८ ३७ ३ लद्विर्न (अ) बया (अ) बससमिधुल ८०
गुण राग १८ ३७ ३ लद्विद्यति (अ) बया (अ) बससमुल ८० राग १८ ३७ ३ लद्वि
विकला (अ) बससम ८० गुण राग १८ ३७ ३ लद्विद्याल (अ) बय वन्दु ३७

थागु नू सिद्धि भाडयक मर्म आ अरु मर्म सगुल १०० राग ३६
गलदिद्यादि (१) सस्य विगुल ६० राग गुन लद्वि विद्यादि (१) सस्य
मदगुल ६० राग गुन लद्वि विद्यादि (१) सस्य विद्यादि (१) सस्य
धगन सदाय ॥ कल्या वृग गुल २८ धला खल अरु मर्म सगुल १००
यलदिद्यादि (१) सस्य विगुल ६० गुल नून वराग लद्वि विद्यादि (१) सस्य
सस्य गुल ६० राग गुन लद्वि विद्यादि (१) सस्य विद्यादि (१) सस्य
याय वनु याद भान वल या यद्यदि २८ विद्यादि (१) याग ० धन नया
लया वनु याद भान वध सगुल याका वल वनु या याय वनु याय वनु

मव्यम सिद्धि रुवा ॥ ० ॥ उच्चमन्द लाक्षा ॥ अरु मर्म सगुल १०० (१) राग
ग ३२ ३१ ६८ धन राग काया (१) सस्य विगुल ६० राग गुल लद्वि विद्यादि (१) सस्य
धदुच्चमल सदाय ॥ २८ गुल राग ग ३२ ३१ ६८ लद्वि विद्यादि (१) सस्य
गगुल ३० राग गुन लद्वि विद्यादि (१) सस्य विगुल ६० लद्वि विद्यादि (१) सस्य
य सस्य विगुल ६० लद्वि विद्यादि (१) सस्य विगुल ६० लद्वि विद्यादि (१) सस्य
सिद्धि १॥ अरु मर्म सगुल १०० राग १३ ६० ६९ लद्वि विद्यादि (१) सस्य
विगुल ६० गुल राग गुन लद्वि विद्यादि (१) सस्य विगुल ६० लद्वि विद्यादि (१) सस्य
विद्यादि (१) सस्य विगुल ६० लद्वि विद्यादि (१) सस्य विगुल ६० लद्वि विद्यादि (१) सस्य